Earth Day Celebration
at
Forest Research Insitute, Dehradun
under
Celebration of AzadikaAmritMahotsav

Forest Ecology and Climate Change Division and ENVIS FRI jointly celebrated Earth Day 2022 through virtual mode on 22nd April under "AzadikaAmritMahotsav". Dr. Renu Singh, Director FRI addressed the participants on the occasion, DG ICFRE. Shri Arun Singh Rawat graced the occasion as chief guest and delivered the inaugural address. Dr. Anurag Saxena, Principal Scientist, ICAR-NDRI, Karnal delivered the invited lecture on the topic "Saving the Planet's Agro-ecosystem". Finally, a declamation competition was held for students of FRIDU on the topic "One Earth One Planet".

In this event more than 100 participants were present.

पृथ्वी दिवस एक आलर्म, लगातार देता रहता है ग्लोबल वार्मिंग से वार्निंग:डॉ. रेणू

■ वन अनुसंधान संस्थान में मनाया गया पृथ्वी दिवस, कई विशेषज्ञों ने रखे विचार

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के वन पारिस्थितिकी एवं जलवायु परिवर्तन प्रभाग तथा एनविस आरपी के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत पृथ्वी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक अरुण सिंह रावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में डॉ. वी. पी. पँवार ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया और पृथ्वी दिवस के अवसर पर आयोजित की जाने वाली गतिविधियों के बारे में बताया। वन अनुसंधान संस्थान की निदेशक डॉ रेणु सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि पृथ्वी दिवस हमें हमारे ग्रह को बचाने की दिशा में काम करने की हमारी जिम्मेदारियों की याद दिलाता है, क्योंकि यह पारिस्थितिक मुद्दों की ओर एक संकेतक के रूप में कार्य करता है। पृथ्वी दिवस एक अलार्म है जो हमें लगातार ग्लोबल वार्मिंग से चेतावनी देता रहता है। तापमान वृद्धि ने पर्याप्त जलवायु परिवर्तन और वैश्विक आपदाएँ पैदा की हैं। प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और वनों की कटाई जैसे कई मुद्दों के कारण, हमारी पृथ्वी पीड़ित है। पृथ्वी दिवस लोगों को इन समस्याओं को समझने में सक्षम बनाता है और उन्हें हमारी पृथ्वी को और अधिक नुकसान और खतरे से बचाने के लिए प्रेरित करता है। उसके बाद अरुण सिंह रावत, महानिदेशक, आईसीएफआरई को पृथ्वी दिवस पर सम्बोधन के लिए आमंत्रित किया गया। उन्होंने अपने भाषण में व्यक्त किया कि पृथ्वी दिवस धरती माता के प्रति अपनेपन की सच्ची भावना पैदा करने वाला अवसर है। उन्होंने आगे और कहा कि एक इंसान के रूप में हमें पृथ्वी के कल्याण के बारे में सोचने के लिए अपना ज्यादा समय निवेश करने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि पृथ्वी को सतत बनाए रखने के लिए आवश्यक सभी निवेशों में यह सबसे महत्वपूर्ण है। रावत का यह भी मानना है कि पृथ्वी में निवेश करना घाटे का व्यवसाय नहीं होगा उल्टे यह सबसे आवश्यक निवेश बन जाएगा। निवेश न केवल धन के संदर्भ में हो सकता है बल्कि यह हमारे दैनिक जीवन की गतिविधियों के रूप में भी हो सकता है जो हमारी धरती मां की रक्षा कर सकता है। इस वर्ष पृथ्वी दिवस का आधिकारिक विषय हमारे ग्रह में निवेश करें। उद्घाटन सम्बोधन के बाद डॉ. अनुराग सक्सेना, प्रधान वैज्ञानिक (आईसीएआर-एनडीआरआई) ने "Saving the planet agroecosystem" शीर्षक विषय पर एक व्याख्यान दिया। इस अवसर पर वन अनुसंधान संस्थान सम विवि के स्नातकोत्तर छात्रों के बीच एक पृथ्वी एक ग्रह विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता भी हुई। इस प्रतियोगिता में पियूष चावडा प्रथम, अनुश्रीता दत्ता दूसरे व तीसरे स्थान पर जोपी बोमजेम रहे। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अभिषेक वर्मा ने किया।

पांच प्राथमिक कार्यक्रम रखे सामने

देहरादून। द ग्रेट ग्लोबल क्लीनअप, सस्टेनेबल फैशन, क्लाइमेट एंड एनवायर्नमेंटल लिटरेसी, कैनोपी प्रोजेक्ट, फूड एंड एनवायरनमेंट, और ग्लोबल अर्थ चैलेंज। उन्होंने चर्चा की कि मुख्य समस्या कचरा निपटान और पर्यावरण की सफाई है। उन्होंने बताया कि एफआरआई परिसर में भी हम कई सफाई अभियान चलाए जाते रहते हैं और परिसर को साफ रखने की कोशिश की जाती रहती हैं। उन्होंने कपड़ों के लिए प्राकृतिक रेशे के उपयोग पर भी जोर दिया क्योंकि सिंथेटिक कपड़े पर्यावरण को प्रदूषित करते हैं। उन्होंने इस बात की वकालत की कि सभी को जलवायु और पर्यावरण शिक्षा प्रदान किया जाना चाहिए ताकि लोग समझ सकें कि जलवायु पर मानव का क्या प्रभाव है और मनुष्यों पर जलवायु का क्या प्रभाव है। उन्होंने दुनिया भर में अधिक पेड़ लगाने पर भी जोर दिया जो स्वस्थ वातावरण प्रदान कर सके।

Earth Day April 22, 2022—Invest In Our Planet

Dehradun (The Hawk): Forest Ecology and Climate change Division and ENVIS RP on forestry and forest related livelihoods of Forest Research Institute, Dehradun jointly celebrated Earth Day on 22nd April 2022 as a part of program series on Azadi Ka Amrut Mohotsav. Director General Indian Council of Forestry Research & Education (ICFRE)Sh. Arun Singh Rawat, IFS, graced the occasion as Chief Guest.

Dr. V. P. Panwar welcome the participants and discussed in detail about the events for Earth day. He invited Director FRI Dr. Renu Singh for her address in which director madam stated that Earth day reminds us of our responsibilities to work towards saving our planet as it acts as a pointer towards ecological issues. Earth Day is an alarm which constantly apprised us of Global warming. The temperature rise has led to substantial climatic changes and global disasters.Due to many issues like pollution, global warming and deforestation, our earth is suffering. Earth Day enables people to understand these problems and motivates them to protect our earth from further harm and danger.After that DG ICFRE Sh. Arun Singh Rawat was invited to deliver his Inaugural address on Earth Day and he stated that The official

theme for 2022 is Invest In Our Planetand features five primary programs: The Great Global Cleanup, Sustainable Fashion, Climate and Environmental Literacy, Canopy Project, Food and Environment, and the Global Earth Challenge.He discussed that the main problem is garbage disposal and environment cleanup he told that in FRI campus too we do many cleanliness drives and try to keep our campus clean.Secondly he also emphasized on use of natural fibre for clothing as synthetic clothing too again pollutes the environment.he advocated that climate and environment education should be imparted with strong civic education so people can understand that what is human's influence on climate and climate influence on humans.He also emphasize on planting more tress across the globe that can provide healthy environment.

After the Inaugural address A invited lecture on "Saving the planet agroecosystem" was delivered by Dr.Anurag Saxena, Principal Scientist(ICAR-NDRI).He stated that everybody wants to live in a safe world and discussed various geographical features which makes it beautiful but on the other hand our world is in danger as because pollution remains a massive challenge as pollutants,chemicals, domestic and industrial waste is added on large scale in our earth.Then he discussed about global warming as its impacts are of an unusually long term character. He also discussed about Green revolution and its impact as most area brought under agriculture at the cost of forest area and for increasing crop productivity indiscriminate use of fertilizers, pesticides was done which have detrimental effect on human health.He told the gathering about various approaches to reduce CO2 emission. He also advocated on organic farming as its mentioned in ancient literature too.In the end he told about Natural farming and its component and benefits of it like reduces cost of cultivation,rejuvenation of farm lands etc.

A declamation competition among FRI Deemed to be university post graduate students on the topic "One Earth One planet" was also organized in which students were invited to share there views in this competition Piyush Chawada bagged first prize, second prize winner was Anushreeta Dutta and third position was secured by Jopi Bomjem.

Uttarakhand State Control Room

Integrated Disease Surveillance Programme

Directorate of Medical Health & Family Welfare, Uttarakhand, Dehradun

COVID-19

Date: 22-04-2022 **Health Bulletin** **Time: 6:00 PM**

Bulletin No. 805 (since 15th March 2020)

Positive Today: **11**	Recovered Today: **01**
Death Today: **00**	Active Cases: **53**
Sample Positivity today: **0.70%**	Recovery Percentage: **96.16%**

1. Total cumulative Positive COVID-19 detected since 01.01.2022:	**92280**
2. Total Number (%) of COVID-19 Patients Treated/ Cured since 01.01.2022:	**88736 (96.16%)**
3. Total Number (%) of COVID-19 patients migrated out of state since 01.01.2022:	**3216 (3.49%)**
4. Total Number (%) of COVID-19 Deaths since 01.01.2022:	**275 (0.30%)**
5. Number of samples found negative for COVID-19 today:	**1568**
6. Total number of samples sent for COVID-19 testing today:	**1507**
7. Total number of cumulative samples found negative since 01.01.2022:	**1292126**

'पृथ्वी के कल्याण के लिए करें समय का निवेश'

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान के वन पारिस्थितिकी एवं जलवायु परिवर्तन प्रभाग तथा एनविस आरपी के संयुक्त तत्वावधान में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत पृथ्वी दिवस मनाया गया। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक अरुण सिंह रावत ने कहा कि यदि वास्तविक रूप से पृथ्वी का कल्याण करना है तो हमें पृथ्वी के लिए समय का निवेश करना चाहिए। इस अवसर पर वन अनुसंधान संस्थान निदेशक डॉ. रेनू सिंह, सेमिनार एनडीआरआई के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अनुराग सक्सेना ने सेविंग द प्लानेट एग्रोइकोसिस्टम विषय पर एक व्याख्यान दिया। पृथ्वी एक ग्रह विषय पर भाषण प्रतियोगिता में पीयूष चावड़ा प्रथम, अनुश्रीता दत्ता द्वितीय,जोपी बोमजेम तृतीय रहे। वहीं, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मांडूवाला में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व पीसीसीएफ एवं पर्यावरण गतिविधि के प्रांत संयोजक डॉ. आरबीएस रावत ने लोगों को जागरूक किया। उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) की ओर से विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र छात्राओं में विज्ञान के प्रति अभिरुचि विकसित करने के उद्देश्य से इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम (आईआईपी) में शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान राजकीय इंटर कॉलेज मालदेवता, राजकीय इंटर कॉलेज होरावाला, एसजीआरआर मोथरोवाला, हरमिटेज एकेडेमी नथुआवाला के 50 से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल थे। मा.सि.रि.

पृथ्वी दिवस पर एफआरआई में कार्यक्रम हुए आयोजित

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

पृथ्वी दिवस पर शुक्रवार को वन अनुसंधान संस्थान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्थान के जलवायु परिवर्तन प्रभाग व एनविस आरपी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक अरुण सिंह रावत ने किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह दिन धरती माता के प्रति अपनेपन की सच्ची भावना पैदा करने का है। कहा कि एक इंसान के रूप में हमें पृथ्वी के कल्याण के बारे में सोचने के लिए अपना ज्यादा समय निवेश करने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि पृथ्वी को सतत बनाए रखने के लिए आवश्यक सभी निवेशों में यह सबसे महत्वपूर्ण है।

कहा कि पृथ्वी में निवेश करना घाटे का व्यवसाय नहीं होगा बल्कि यह आवश्यक निवेश बन जाएगा। एफआरआई की निदेशक डा. रेणु सिंह ने कहा कि पृथ्वी दिवस हमारे ग्रहों को बचाने की दिशा में काम करने की हमारी जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। क्योंकि यह पारिस्थितिकी मुद्दों की ओर एक संकेतक के रूप में कार्य करता है। कहा कि पृथ्वी दिवस एक अलार्म भी है जो हमें लगातार ग्लोबल वार्मिंग की चेतावनी भी देता है। इससे पहले डा. वीपी पंवार ने कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे सभी लोगों का स्वागत किया।

स्नातकोत्तर के छात्रों के लिए आयोजित की गई भाषण प्रतियोगिता

डा. अनुराग सक्सेना ने विस्तृत व्याख्यान दिया। इस अवसर पर एफआरआई सम विवि के स्नातकोत्तर के छात्रों के लिए पृथ्वी एक ग्रह विषय पर भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पीयूष चावड़ा ने प्राप्त किया, जबकि अनुश्रीता दत्ता दूसरे व जोपी बोमजेम तीसरे स्थान पर रहे।

Forest Research Institute
@FRIDEHRADUN

FRI celebrated Earth Day 22. Invited lecture by Dr. Anurag Saxena ICAR and Student declamation competition held. DG ICFRE Sh. A.S. Rawat as Chief Guest and Director FRI Dr. Renu Singh joined the program and addressed the participants.

7:31 pm · 22 Apr 22 · Twitter for Android

वनअनुसंधानसंस्थानमेंमनायागयापृथ्वीदिवस https://www.garhninad.com/2022/04/earth-day-celebrated-in-forest-research-institute/

“पृथ्वीदिवसएकअलार्मजोग्लोबलवार्मिंगकीदेताहैचेतावनी” https://pahadplus.com/index.php/2022/04/22/fri-dehradun-me-prithvi-divas-manaya-gaya/

https://www.devbhoomijansamvad.com/latest-news/वन-अनुसंधान-संस्थान-में-म-6/
एफआरआईदेहरादूनमेंमनायापृथ्वीदिवस

https://navaltimes.in/एफआरआई-देहरादून-में-मनाय-2/

जानिएपूरीखबरविस्तारसे
https://gadhsamvedna.com/our-earth-is-suffering-due-to-pollution-global-warming-and-deforestation/